

अतिनामता स्त्री. (तत्.) भाषा. किसी वर्गसूचक शब्द का वह गुणधर्म जिसके द्वारा उसके वर्ग के अन्य सदस्यों की पहचान होती है जैसे- बिल्ली एक जानवर हैं इस वाक्य में 'जानवर अतिनाम है और बिल्ली, कुत्ता, घोड़ा आदि सभी उस वर्ग के सदस्य होने के नाते 'अवनाम' होंगे। hypernym तु. अवनाम। hyponim

अतिनिद्रा वि. (तत्.) 1. जो बहुत सोता हो 2. जो निद्रा का अतिक्रमण कर चुका हो।

अतिनूतन युग पुं. (तत्.) भूवि. भू-वैज्ञानिक इतिहास का वह युग जो एक करोड़ बीस लाख वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ, इस युग में मानव समान बंदरों का विकास हुआ pliocene epoch

अतिपतन पुं. (तत्.) 1. शा.अर्थ. पतन की चरमावस्था 2. भूल 3. गलती से छूट जाना 4. अतिक्रमण, सीमा से बाहर जाना।

अतिपतित वि. (तत्.) 1. नैतिक पतन की पराकाष्ठा पर पहुंचा हुआ (व्यक्ति) 2. सीमा से बाहर गया हुआ।

अतिपत्ति स्त्री. (तत्.) 1. असफलता, कार्य का पूर्ण न होना 2. सीमोल्लंघन करना।

अतिपथ पुं. (तत्.) उत्तम मार्ग, सन्मार्ग।

अतिपर वि. (तत्.) शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाला।

अतिपरबलय पुं. (तत्.) 1. वह शांकव जिसकी उत्केंद्रता एक से अधिक हो 2. ऐसे बिंदु का पथ जिसकी दो नियत बिंदुओं से दूरियों का अंतर अचर हो hyperbola

अतिपरिधय पुं. (तत्.) अत्यधिक मेल-जोल।

अतिपरोक्ष वि. (तत्.) 1. दृष्टि से बहुत दूर, अदृश्य 2. अविज्ञेय, अविवेचनीय।

अतिपात पुं. (तत्.) 1. समय का बीत जाना, समय का नष्ट होना 2. भूल-चूक 3. उल्लंघन 4. दुर्व्यवहार।

अतिपातक पुं. (तत्.) धर्मशास्त्र में उल्लिखित कोई महापातक, विशेषतः मातृगमन, पुत्रीगमन पुत्रवधूगमन, आदि का दोषी।

अतिपाती वि. (तत्.) 1. अतिपात करने वाला दे. अतिपात 2. गति से आगे बढ़ जाने वाला।

अतिप्रवण भूमि स्त्री. (तत्.) मुख्यतः खड़े या साधारण ढाल वाले क्षेत्र जहाँ भूमि के उपयोग से संबंधित भूस्खलन आदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं steep land

अतिप्रश्न पुं. (तत्.) 1. अमर्यादित प्रश्न 2. अनावश्यक प्रश्न 3. उपयुक्त उत्तर प्राप्त होने पर भी किया गया प्रश्न।

अतिप्रसंग पुं. (तत्.) 1. अत्यधिक आसक्ति 2. बहुत ही घनिष्ठ संबंध 3. प्रगाढ़ प्रेम।

अतिप्रौढ़ा स्त्री. (तत्.) विवाह की सामान्य आयु पार कर जाने वाली कन्या।

अतिबरवै पुं. (देश.) बरवै छंद का एक भेद जिसके पहले और तीसरे चरणों में बारह तथा दूसरे और चौथे चरणों में नौ मात्राएं होती हैं।

अतिबल वि. (तत्.) 1. प्रचंड बल वाला 2. दृढ़, प्रबल।

अतिभक्ति स्त्री. (तत्.) अत्यंत भक्ति वि. अपने आप को कष्ट में डाल कर भक्ति करने वाला, आत्म-कष्ट से प्रभु की अनुकंपा का आकांक्षी।

अतिभव पुं. (तत्.) 1. विजय 2. अधिक हो जाना या बढ़ जाना।

अतिभार पुं. (तत्.) 1. अत्यधिक बोझ 2. वाक्य की अस्पष्टता।

अतिभारारोपण पुं. (तत्.) (जैन शास्त्र के अनुसार) पशुओं पर अधिक बोझ लादने का अत्याचार।

अतिभारित वि. (तत्.) जिस पर उसकी भारवहन क्षमता से अधिक भार लाद दिया गया हो।

अतिभू वि. (तत्.) सब को पार कर जाने वाला, सबसे अधिक हो जाने वाला।

अतिभोग पुं. (तत्.) उपयुक्त या नियत समय के बाद भी किसी वस्तु या विषय का उपभोग।

अतिभोजन पुं. (तत्.) अधिक खाना, पेदूपन।